# इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी
# वार्षिक रिपोर्ट 2016 – 2017

**प्रस्तावना**

देश में वाणिज्यिक पायलटों के उड़ान एवं थल प्रशिक्षण के स्तर में अधिक सुधार लाने के उद्देशय से सितम्बर 1986 मे रायबरेली उत्तर प्रदेश के निकट फुरसतगंज में इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी की स्थापना की गयी थी।

01 मार्च 2008 से इग्रुआ के प्रशिक्षण स्तर को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का बनाये जाने के उद्देश्य से कनाडा की कम्पनी सी ए ई द्वारा अकादमी का प्रबन्धन किया जा रहा है।

**उद्देश्य**

क. फिक्सड विंग विमानों पर Ab-initio to CPL कोर्स, इंस्ट्रुमेंट रेटैंग और मल्टी इंजन पृष्ठांकन इस पाठ्यक्रम का अंग है।

ख. छत्रपति साहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के माध्यम से B.Sc.(Aviation) में त्रिवर्षीय स्नातक उपाधि।

ग. डीए–42 विमान पर सी आर एम एंड मल्टी इंजन कंवर्सन कोर्स (बहु इंजन रूपांतर पाठ्यक्रम)।

घ. सर्टीफाइड उड़ान प्रशिक्षण संस्थानों के फलाइंग इन्सट्रक्टर्स एवं पायलट इन्सट्रक्टर्स का पुनश्चर्या पाठ्यक्रम।

ड. असिस्टेण्ट फ्लाइंग इन्सट्रक्टर रेटिंग (ए) व फ्लाइंग इन्सट्रक्टर रेटिंग (ए) प्रशिक्षण पाठ्यक्रम।

च. इग्रुआ के भूतपूर्व पायलटों की आवश्यकतानुसार उनकी नवीनीकरण परीक्षा।

छ. बाहरी एजेन्सियों के पायलटों के चयन व साक्षात्कार हेतु सिमुलेटर एवं अन्य सुविधायें प्रदान करना।

ज. एयरोनाटिकल इन्जीनियरिंग में डिप्लोमा धारकों को वायुयान अनुरक्षण का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना।

## बुनियादी ढाचा (इंफ्रास्ट्रक्चर)

अकादमी को अति आधुनिक एवं उत्तम ट्रेनर एयरक्राफ्ट, थल प्रशिक्षण को प्रभावशाली बनाने के लिए अद्यतन दृश्य श्रव्य उपस्कर तथा अन्य सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है। उच्च स्तरीय प्रशिक्षण सुनिश्चित करने के लिए इसका संचालन योग्य एवं अनुभवी उड़ान एवं थल अनुदेशकों द्वारा किया जाता है। अकादमी का उद्देश्य न सिर्फ पायलट हेतु प्रशिक्षण प्रदान किया जाना है अपितु उन्हें Aeronautics के क्षेत्र में योग्य सिस्टम मैनेजर बनाना है। अकादमी द्वारा प्रशिक्षित पायलट एयरलाइन्स हेतु पूर्ण रूप से उपयुक्त होते हैं।

अकादमी के पास शानदार बुनियादी ढांचा है जो कि स्कूल स्तर की शिक्षा प्राप्तछात्रो को एक ऐसा योग्य कामर्शियल पायलट बनाता है जो एयर लाइंस में अवशोषित किये जाने हेतु उपयुक्त होते हैं। अकादमी मे 248 पुरुष व 40 महिला प्रशिक्षणार्थियो (महिलो के लिए पृथक छात्रावासको शामिल करते हुए) के रहने के लिये तीन छात्रावास हैं जिसमे एक कक्ष मे 02 व्यक्तियो के रहने की व्यवस्था है। अकदमी आवासीय परिसर मे कर्मचारियो हेतु आवास उपलब्ध है। अकादमी का थल प्रशिक्षण सकाय इसी परिसर मे स्थित है। अकदमी परिचालन परिसर मे समानांतर टैक्सी ट्रैक, डिस्पर्सल एरिया एवम तीन हैंगरो सहित 6080 फिट लम्बी धावन पट्टी उपलब्ध है। सम्पूर्ण परिक्षेत्र (एरिय) रात्रि उडान सुविधाओ सहित प्रोसीजनल एप्रोच पाथ इंडीकेटर (PAPI) से सुसज्जित है। अकादमी एयर फील्ड पर लैंडिंग एड्स, वी ओ आर / डी एम ई एवम आई एल एस के रूप मे अपनी निजी लैंडिंग सुविधाये उपलब्ध हैं । अकादमी के पास अपनी निजी सुरक्षा सुविधा, फ्यूल स्टोरेज टैंक एवम वायु यातायात सुविधाये हैं। अकादमी के पास निर्बाध उडान प्रशिक्षण हेतु समर्पित

आकाशीय क्षेत्र उपलब्ध है । यह एक अनूठा स्थान है जंहा धावन पट्टी एवम परिचालन सेवाये गुणवत्ता प्रशिक्षण की स्वंत्रता प्रदान करती हैं ।

**संगठन**

अकादमी नागर विमानन मंत्रालय, भारत सरकार के नयंत्रणाधीन एक स्वायत्त संगठन है। शासी परिषद इस संगठन का सर्वोच्च निकाय है और नागर विमानन मंत्रालय के सचिव इस शासी परिषद के प्रमुख हैं।

निदेशक, अकादमी का प्रधान होता है जिसकी सहायता के लिए विभागाध्यक्ष हैं।

**थल प्रशिक्षण**

**(क) प्रारम्भिक प्रशिक्षण**

अकादमी में आने के बाद विद्यार्थी प्रथम चरण में मूल विमानन विज्ञान विषयों में भू- प्रशिक्षण और जिलिन, टीबी-20, डीए 40 व डीए 42 विमान जिन पर उन्हे प्रशिक्षण दिया जाता है पर विशिष्ट प्रशिक्षण लेते हैं।

विमानन विषयों पर पाठ्यक्रम के अनुसार **505** घण्टों का थल प्रशिक्षण पाठ्यक्रमानुसार अध्यापन कक्ष में व्याख्यान के माध्यम से दिया जाता है (**380 घण्टे सीपीएल व 125 घण्टे एटीपीएल कोर्स**)।

यह उड़ान प्रशिक्षण के लिए एक उत्तम आधार प्रदान करता है और प्रशिक्षणार्थियों को विमानन क्षेत्र की आवश्कताओं को पूर्ण करने योग्य तैयार किया जाता है।

**(ख) दृश्य श्रव्य साधन**

भू- प्रशिक्षण प्रभावी रूप से देने के लिए अकादमी के पास आधुनिक दृश्य श्रव्य साधन हैं। जिनमें कई वीडियों प्रशिक्षण फिल्म और सलाइडें, विभिन्न प्रकार के विमानों के अवयवों के कार्यरत एवं योजनाबद्ध माडल तथा कम्प्यूटर आधरित प्रशिक्षण (सीबीटी) का प्रशिक्षण में प्रयोग किया जाता है।

**उड़ान प्रशिक्षण**

**(क) उड़ान पूर्व थल प्रशिक्षण (Pre-Fliying Ground Training)**

उड़ान प्रशिक्षण अनुभवी उड़ान अनुदेशकों द्वारा दिया जाता है। इसके साथ-साथ उड़ान से पूर्व महत्वपूर्ण मुद्दों पर ब्रीफिंग व उड़ान के पश्चात डिब्रीफिंग दी जाती है।

**(ख) सिमुलेटर प्रशिक्षण**

एकल इंजिन प्रशिक्षण 180 डिग्री सी ए ई दृश्य प्रणाली के साथ उपलब्ध दो डायमण्ड डीए40 फ्लाइट सिमुलेटर पर दिया जाता है। अकादमी के पास प्रारम्भिक उड़ान प्रशिक्षण एवं इन्स्ट्रूमेन्ट रेटिंग हेतु दो एकल इंजिन टीबी-20 दृश्य प्रणाली युक्त सिमुलेटर भी उपलब्ध हैं।

बहुइंजिन प्रशिक्षण हेतु सीएई दृश्य उपस्कर सहित एक डायमण्ड डीए42 फ्लाइट सिमुलेटर जिसमें 180 डिग्री दृश्य क्षेत्र उपलब्ध है।

**(ग) विमान**

(i) अकादमी के उड़ान बेड़े में ग्लास काकपिट युक्त **तेरह** डीए40 विमान उपलबध हैं।

(ii) अकादमी के पास **पांच** ट्रिनीडैड टीबी–20 विमान भी हैं। यह चर पिच प्रोपेलर वापस लेने योग्य हवाई जहाज के पहिए के साथ एक पिस्टन एकल इंजिन जहाज है जो आधुनिक नैव ऐडस से सुसज्जित हैं।

(iii) इसके अतिरिक्त अकादमी के उड़ान बेड़े में **चार** जिलिन जेड242एल विमान भी हैं। ये आधुनिक नैव ऐडस से सुसज्जित हैं तथा एक पिस्टन इंजिन विमान है।

(iv) अकादमी के पास **दो** डीए42 विमान है। प्रशिक्षण का अन्तिम चरण इस विमान पर किया जाता है। यह एक मल्टी इंजिन विमान है। विमान आधुनिक परिष्कृत रेडियो और नौवहन ऐडस से सुसज्जित है। लाइन ओरिएन्टेड फ्लाइंग ट्रेनिंग पर विशेष ध्यान दिया जाता है। प्रशिक्षणार्थी वाणिज्यिक पायलट लाइसेन्स पर बहुइंजिन पृष्ठांकन एवं इन्सट्रूमेन्ट रेटिंग सहित प्रशिक्षण पूर्ण करते हैं।

**(घ) <u>उड़ान प्रशिक्षण पाठ्यक्रम</u>**

**Ab-initio to CPL Course**

**एकल इंजिन प्रशिक्षण:**

**For Ab-initio to CPL Course** कॉकपिट प्रोसीज़र ट्रेनर पर 20:00 घण्टों का प्रशिक्षण। टीबी–20/डीए–40/जिलिन विमानों पर 185:00 घण्टों का उड़ान प्रशिक्षण ।

**बहुइंजिन प्रशिक्षण :** प्रशिक्षणार्थियों को मल्टी इंजिन रेटिंग पृष्ठांकन के साथ डीए42 विमान पर इन्सट्रूमेन्ट रेटिंग प्रदान की जाती है। प्रशिक्षणार्थी इस विमान पर 15:00 घण्टों का प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं। इसके अतिरिक्त उन्हें डीए42 सिमुलेटर पर 15:00 घण्टों का प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

**(ङ) <u>क्रुव रिसोर्स मैंनेजमेंट (सी आर एम) एवम मल्टी क्रुव कंवर्सन कोर्स (एम सी सी)</u>**

थल एवए वायु प्रशिक्षण के अतिरिक्त प्रशिक्षणार्थियो को सी आर एम कोर्स भी कराया जाता है । सी पी एल प्रशिक्षण पूर्ण होने के उपरांत दो सप्ताह का एम सी सी कोर्स कराया जाता है। यह अतिरिक्त कोर्स एयर लाइंस में अवशोषित करने के लिये उत्तम है।

**<u>प्रमुख उपलब्धियां</u>**

(क) विगत 7 वर्षों के दौरान अकादमी में प्रशिक्षित / प्रशिक्षणाधीन पायलटों का विवरण निम्नानुसार हैः–

| | प्रशिक्षण पूरा कर चुके छात्रों की संख्या **(2009-10 -2014-15)** | प्रशिक्षणाधीन छात्रों की कुल संख्या |
|---|---|---|
| फिक्सड विंग (सीपीएल/ आईआर/एमई) | 343 | 74 |
| द्विक इंजिन पृष्ठांकन (नियमित प्रशिक्षणर्थियों के अतिरिक्त) | 45 | - |
| **योग** | **388** | **74** |

**132** प्रशिक्षणार्थियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रगति पर है।

(ख) विगत 07 वित्त वर्षों के दौरान उड़ान घण्टे (अप्रैल – मार्च)

| | |
|---|---|
| 2009-10 | 11993:25 |
| 2010-11 | 16231:35 |
| 2011:12 | 16770:00 |
| 2012:13 | 16006:00 |
| 2013-14 | 18774:25 |
| 2014-15 | 13461:10 |
| 2015-16 | 13341:40 |
| 2016-17<br>31 दिसम्बर 2016 तक | 10725:25 |

अकादमी द्वारा प्रशिक्षित पायलटों का स्तर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का है और अकादमी के स्नातकों के निष्पादित कार्य को एयर इंडिया, इंडियन एयरलाइन्स और अन्य प्राइवेट एयरलाइन्स, जहां उनकी नियुक्तियां हुई हैं, के नियोक्ताओं द्वारा भी सराहा गया है। भारतीय जल सेना एवम भारतीय तट रक्षक द्वारा अपने पायलटो को अकादमी में प्रशिक्षण के लिये भेजा जाना अकादमी के प्रशिक्षण की गुणवत्ता को प्रमाणित करता है।

**(ग) <u>इन्टरनेट लैन सुविधा</u>**

संचार व्यवस्था के विस्तार और एवियेशन सम्बन्धी समस्त प्रकरण जो कि प्रशिक्षण का एक अंग हो सकते हैं, को अद्यतन रखने के लिए अकादमी ने लगभग सभी महत्वपूर्ण सरकारी और प्रशिक्षित डेटा साझा करने की सुविधा स्थानीय एरिया नेटवर्किंग के माध्यम से प्रदान की है।

**(घ) <u>वेब कैमरा</u>**

अकादमी में विभिन्न कार्यात्मक क्षेत्रों पर निगरानी और सुरक्षा में सुधार तथा श्रमशक्तियों व सरकारी मशीनरी के बेहतर प्रबन्धन की दृष्टि से समस्त महत्वपूर्ण स्थानों यथा टारमेक, एयरक्राफ्ट वर्कशॉप, अध्यापन कक्ष, उड़ान परिचालन, भोजनालय, विमान क्षेत्र/अनुदेशन प्रवेश द्वार इत्यादि पर वेब कैमरे स्थापित किये गये है।

**(ड.) टेक आफ/लैण्डिंग की वीडिवो रिकार्डिंग**

सभी टेकआफ एवं लैण्डिंग की वीडिओग्राफी कर लैन सर्वर में संरक्षित की जाती है। जो उडान अनुदेशकों से पूछताछ में सहायक है।

**<u>स्वच्छ भारत</u>**

**(क) <u>ठोस कचरे का निस्तारण</u>**

अकादमी में ठोस कचरे से होने वाले प्रदूषण को रोकने के उद्देश्य से एक वर्मीकल्चर यार्ड की स्थापना की गयी है जहां पर भोजनालय व आवासीय परिसर से निकलने वाले कचरे को संसाधित कर जैविक खाद तैयार की जाती है। इस प्रकार निर्मित खाद को अकादमी के विभिन्न उद्यानों में प्रयोग में लाया जाता है।

**(ख) <u>बेकार पानी का निपटारा</u>**

जल प्रदूषण को रोकने के लिए अकादमी में उचित भू–गर्भ ड्रेनेज एवं कुशल सीवरेज प्लाण्ट की व्यवस्था की गयी है ताकि जल श्रोत किसी प्रकार से प्रदूषित न हों।

**प्रदूषण नियन्त्रण**

अकादमी केवल विमान तथा कलपुर्जों का अनुरक्षण का कार्य करती है जिसमें किसी उत्पादन/निर्माण प्रक्रिया का समावेष नहीं होता है। तथापि, प्रदूषण नियंत्रण के उत्प्रेरण हेतु अकादमी में निम्नलिखित कदम उठाये गये हैं।

(i) विमानों एवं वाहनों के इंजनों को प्रदूषण की निर्धारित सीमा में उचित ढ़ग से अनुरक्षित किया जाता है।

(ii) ठोस कचरा इस तरह जलाया जाता है कि कम से कम धुंआ उठे।

(iii) अकादमी के पर्यावरण को हरा–भरा बनाये रखने के लिए वन रोपण सक्रियता से किया जाता है।

**नागरिक सुविधा (सिटिज़न चार्टर)**

अकादमी में उपलब्ध नागरिक सुविधायें वेबसाइट पर उपलब्ध है जिसे इग्रुआ की वेबसाइट www.igrua.gov.in पर देखा जा सकता है। कोई भी नागरिक जनसूचना अधिकारी (पीआईओ) श्री आर के द्विवेदी और अपीलीय अधिकारी (निदेशक, इग्रुआ) को आवेदन प्रस्तुत कर जनसूचना अधिनियम के अन्तर्गत सूचना प्राप्त कर सकता है।

**महिला कल्याण**

इग्रुआ में कार्यरत 15 महिलाओ (3 नियमित व 13 संविदा) का कल्याण सामान्य प्रशासनिक चैनलों के माध्यम से देखा जाता है। महिला संरक्षण हेतु अकादमी में एक त्रि–सदस्यी समिति गठित है जो अकादमी में महिलाओं के यौन उत्पीड़न सम्बन्धी मामलों पर नजर रखती है व उनका निस्तारण करती है।

**लोक शिकायत निवारण मशीनरी को बेहतर बनाने के लिए उठाये गये कदम**

अकादमी की कार्य प्रणाली इस प्रकार की है जिसमें लोक शिकायतों का समावेश प्रायः नहीं होता है। तथापि, लोक शिकायतों के निवारण हेतु संस्थान में एक अधिकारी, प्रबन्धक मानव संसाधन उपलब्ध है जिसके यथा समय निस्तारण किये जाने की व्यवस्था है। लोक शिकायतों की प्रबंधक मानव संसाधन द्वारा नियमित निगरानी की जाती है। वर्तमान समय में अकादमी में कोई भी लोक शिकायत लम्बित नहीं है।

**सतर्कता**

सतर्कता निवारक उपायों को उत्तम बनाने के लिए पवन हंस हेलीकाप्टर लि0 के मुख्य सतर्कता अधिकारी को अकादमी की सतर्कता गतिविधियों की देखरेख का अतिरिक्त कार्य सौंपा गया है। इससे कर्मचारियों में भ्रष्टाचार के प्रति जागरूकता का स्तर बढा है।

**पूर्वोत्तर के विकास से सम्बन्धित मुद्दे**

अकादमी एक स्वायत्त शाषी संस्था है जिसका मुख्यालय केवल फुरसतगंज, अमेठी (उत्तर प्रदेश) में स्थित है।

**वरिष्ठ नागरिक कल्याण**

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा जारी दिशा निर्देशो के अनुसार जैसा कि बुजुर्ग व्यक्तियों के लिए तत्काल, उचित और दयामय व्यवहार्य सुनिश्चित करने हेतु समस्त सम्बन्धित अधिकारियों को आदेश जारी किये गये हैं।

**अनुसूचित जाति/अनु0जन0जा0 और अ0पि0वर्गों का प्रतिनिधित्व**

31 दिसम्बर 2016 तक अनु0जा0/अनु0ज0जा0 तथा अन्य पिछड़ा जाति वर्ग के प्रतिनिधित्व का विवरण नीचे चार्ट में दिया गया है:-

| संस्था का नाम | कर्म0 की कुल सं0 | अनु.जा.कर्म. की सं. | प्रतिशत | अनु.ज.जा.कर्म.की सं. | प्रतिशत | अ.पि.व र्ग कर्म. की सं. | प्रतिशत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी | 164 | 33 | 20.12 | 01 | 0.60 | 67 | 40.85 |

**राजभाषा नीति का कार्यान्वयन**

राजभाषा अधिनियम और राजभाषा नियमों के विभिन्न प्रावधानो का कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए अकादमी लगातार आवश्यक कदम उठाती रही है। कर्मचारियों को देवनागरी, देवनागरी टंकण इत्यादि का प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। देवनागरी टंकण परीक्षा में सफल कर्मचारियों को प्रोत्साहन प्रदान किये गये है। आदमी में राजभाषा प्रोत्साहन योजना लागू की गयी है। कम्प्यूटरों को हिन्दी में प्रयोग के लिए विशेष साफ्टवेयर क्रय किया गया है जो प्रचलन में है। अकादमी द्वारा हिन्दी पत्रिका क्षितिज का नियमित प्रकाशन किया जा रहा है।

**खेल सुविधायें**

अकादमी में इनडोर और आउटडोर खेलों यथा स्क्वाश, बैडमिन्टन, बास्केटबाल, वालीबाल, फुटबाल, टेबल टेनिस, पूल टेबल एवम बहु-जिम उपकरणो से सुसज्जित ज़िम की व्यवसथा है। एक नव निर्मित तरणताल भी उपलब्ध है।

**सास्कृतिक गतिविधियां**

अकादमी में संगीत वाद्ययन्त्र कक्ष है। पाठ्येत्तर गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए समय-समय पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। ऐसे कार्यक्रमों को सुविधाजनक तरीके से आयोजित करने के लिए अकादमी में एक सभागार का निर्माण काराया गया है।

**विकलांगता अधिनियम (पी.डब्लू.डी.) 1995 का कार्यान्वयन**

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा जारी विकलांग व्यक्तियों से सम्बन्धित दिशा निर्देशो को अकादमी में लागू किया जाता है और विकलांग व्यक्तियों को उनका लाभ प्रदान किया जाता है। शासकीय कार्यों के सुचारु संचालन के लिए कार्यालयों में विकलांगजनों हेतु सुविधाजनक बाधा मुक्त पहुंच की व्यवस्था की गयी है।

अकादमी एक उड़ान प्रशिक्षण संस्थान है जहां पर क, ख और कुछ ग पदो के कार्य की प्रकृति उच्च तकनीकी है जिन पर विकलांग व्यक्तियों के नियुक्ति की सम्भावना न के बराबर है। तथापि, अकादमी में दो विकलांग व्यक्ति कार्यरत हैं।

अकादमी में विकलांग व्यक्तियों के कल्याण का कोई पृथक योजना बजट नहीं है तथापि उनका कल्याण प्रशासन/सम्पर्क अधिकारी द्वारा देखा जाता है।

**शुल्क संरचना**

प्रारम्भ से सी पी एल कोर्स Ab-initio to CPL की फीस जिसमें बहुइंजिन पृष्ठांकन सम्मिलित है रुपया 32.50 लाख (इस पर लागू अतिरिक्त कर तथा रहने व खाने का लगभग रुपया 8,000/- प्रतिमाह अतिरिक्त)।

**<u>भविष्य  की योजनायें</u>**

नागर विमानन द्वारा अकदमी परिसर को Knowledge and Training Hub के रूप में विकसित किये जाने की योजना है।  इसी क्रम में अकादमी परिसर में National Aviation University निर्माणाधीन है जिसके भवन निर्माण का कार्य प्रारम्भ हो चुका है। अकादमी परिसर में एक ए एम ई स्कूल स्थापित किया जा रहा है। ए एम ई स्कूल की बिल्डिंग के निर्माण का कार्य पूर्ण हो चुका है। आवश्यक औपचरिकताएं पूर्ण कर ए एम ई कोर्स शीघ्र प्रारम्भ होग। यूरोपीय एवम डी जी सी ए के अंतरर्ष्ट्रीय प्रमाणीकरण बंध की योजना है।

.....